

प्रेषक,

राकेश शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी (नैनीताल)।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग,

देहरादून : दिनांक: 11 सितम्बर, 2012

विषय: वी0टी0आई0पी0 योजना के अन्तर्गत एम0आई0एस0 योजना के क्रियान्वयन हेतु धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक सहायक निदेशक, राज्य परियोजना निदेशक, स्टेट प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट, देहरादून के पत्र संख्या-1730-31/एसपीआईयू/एम.आई.एस. /बजट/2012, दिनांक 30.04.2012, पत्र संख्या-1769-70/एसपीआईयू/एम.आई.एस. /बजट/2012, दिनांक 07.05.2012, पत्र संख्या-1907/एसपीआईयू/एम.आई.एस. /बजट/2012, दिनांक 06.07.2012 एवं डी0जी0ई0टी0 श्रम मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या-DGET-35(4)MIS equipment-1/2011-NPIU(Sanction I), दिनांक 30.09.2011 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत सरकार के सहयोग से संचालित वोकेशन ट्रेनिंग इम्प्लीमेंटेशन प्रोजेक्ट के अन्तर्गत चयनित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में एम0आई0एस0 योजना के क्रियान्वयन के लिए कम्प्यूटर एवं सहवर्ती उपकरणों तथा साफ्टवेयर के क्रय हेतु श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में केन्द्रांश एवं राज्यांश को सम्मिलित करते हुए कुल रु. 57,50,000/- (रुपये सत्तावन लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि स्वीकृत करते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का अन्य आदेशों का उल्लंघन होता है। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये।

3- व्यय उन्हें मदों में किया जायेगा, जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

4- उक्त धनराशि इस तरह व्यय की जाये, जिससे भारत सरकार एवं उत्तराखण्ड शासन के मध्य योजनान्तर्गत हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 की शर्तों की प्रतिपूर्ति हो तथा भारत सरकार से आगामी किश्त अवमुक्त होने में किसी तरह की कठिनाई न हो।

5- प्रश्नगत उपकरण/सामग्री का क्रय कर डी0जी0ई0टी0 भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर विश्व बैंक सहायतित योजना हेतु भारत सरकार द्वारा

निर्गत अधिप्राप्ति नियमों के अन्तर्गत डी0जी0एस0एण्ड डी0 दरों पर किया जायेगा तथा यथा आवश्यकतानुसार उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रोक्यूरमेन्ट) नियमावली, 2008 का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का तत्काल कोषागार से आहरण कर उक्त धनराशि का उपभोग शीघ्र करते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन एवं भारत सरकार को ससमय उपलब्ध कराया जाये, ताकि योजनान्तर्गत आगामी केन्द्रांश की किश्त शीघ्र प्राप्त की जा सके।

7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान संख्या-16 के अन्तर्गत "लेखाशीर्षक-2230-श्रम तथा रोजगार-03-प्रशिक्षण-003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण-आयोजनागत-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें-0101-योजना आधुनिकीकरण एवं सुदृढीकरण (75% के0स0)-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और सयंत्र के नामें डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-41P/XXVII(5)/2012 दिनांक 30.08.2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(राकेश शर्मा)

प्रमुख सचिव।

संख्या एवं दिनांक: तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. राज्य परियोजना निदेशक, एस0पी0आई0यू0 गढीकैंट, आई0एच0एम0 परिसर, देहरादून।
4. अनुसचिव, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हल्द्वानी/देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-5/नियोजन अनुभाग।
7. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(एस.एस. टोलिया)

अनु सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20122013

Secretary, Technical Education (S051)

आवंटन पत्र संख्या - 153/XLI-1/12-(Trng)-47/11

अनुदान संख्या - 016

अलोटमेंट आई डी - S1209160012

आवंटन पत्र दिनांक - 11-Sep-2012

HOD Name - Director Training (4635)

- 1: लेखा शीर्षक - 2230 - धर्म तथा ग्रेजुएट 03 - प्रशिक्षण
 003 - दम्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र प्रगतिधामित योजनाएं
 01 - योजना आयुनिकीकरण एवं सुदुतीकरण(75%के0म0)

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	प्रतिमान में जारी	योग
01 - चेतन	750000	0	750000
03 - महंगाई भना	510000	0	510000
04 - यात्रा व्यय	100000	0	100000
06 - अन्य भने	83000	0	83000
07 - भानवेव	50000	0	50000
08 - कार्यालय व्यय	200000	0	200000
10 - जलकर / जल प्रभार	10000	0	10000
12 - कार्यालय पनीचर एवं उपकर	200000	0	200000
13 - टेलीफोन पर व्यय	200000	0	200000
15 - गारियों का अनुरक्षण और पेट	200000	0	200000
16 - व्यावसायिक ढबा विशेष सेवा	100000	0	100000
26 - मशीनें और मज्जा /उपकरण औ	2583000	5750000	8333000
42 - अन्य व्यय	3333000	0	3333000
44 - प्रशिक्षण व्यय	50000	0	50000
46 - कम्प्युटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर	400000	0	400000
47 - कम्प्युटर अनुरक्षण/तन्मन्धन्ध	100000	0	100000
	8869000	5750000	14619000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

5750000